Guru Aanklan

GRAND TEST	SSC EXAMINATION हिंदी (CODE-A)	पुर्णांक : ८० समय : ३

सूचनाएँ : १) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
३) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
४) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्च लेखन अपेक्षित है।

विभाग १ - गद्य **२०**

प्र. १ क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (८)
उत्तर लिखिए। (२)

१) बड़े नगर के दो निशान -१) ————————- २) ————————
२) परिच्छेद में आए दो शिकारी व्यक्ति -१) ———————— २) ————————

राजकुमार को इन शिकारों में सच्चे उपदेश का सुख प्राप्त हो रहा था। बोला, "स्वामी जी, थकने का नाम न लीजिए। यदि मैं वर्षों आपकी सेवा में रहता तो और न जाने कितने ऐसे आखेट सीख जाता।"

दोनों फिर आगे बढ़े। अब रास्ता स्वच्छ और चौड़ा था। हाँ, सड़क कदाचित कच्ची ही थी। सड़क के दोनों ओर वृक्षों की पंक्तियाँ थी। किसी-किसी वृक्ष के नीचे रखवाले सो रहे थे। घंटेभर बाद दोनों शिकारियों ने एक ऐसी बस्ती में प्रवेश किया, जहाँ की सड़को, लालटेनों और अट्टालिकाओं से मालूम होता था कि कोई बड़ा नगर है। संन्यासी जी एक विशाल भवन के सामने एक वृक्ष के नीचे ठहर गए और राजकुमार से बोले, "यह सरकारी कचहरी है। यहाँ राज्य का एक बड़ा कर्मचारी रहता है। उसे सूबेदार कहते हैं। इसकी कचहरी दिन को भी लगती है और रात को भी। यहाँ न्याय सुवर्ण और रत्नादिकों के मोल बिकता है। यहाँ की न्यायप्रियता द्रव्य पर निर्भर है। धनवान दरिद्रों को पैरों तले कुचलते हैं और उनकी गुहार कोई भी नहीं सुनता।"

ये ही बातें हो रही थीं कि यकायक कोठे पर दो आदमी दिखलाई पड़े। दोनों शिकारी वृक्ष की ओट में छिप गए। संन्यासी ने कहा, "शायद सूबेदार साहब कोई मामला तय कर रहे हैं।"

२) उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए। (१)

i) राज्य का बड़ा कर्मचारी ————- कहलाता था। (चौकीदार, फौजदार, सूबेदार)
ii) न्यायप्रियता का आधार ————– था। (वकील, द्रव्य, साक्षी)

३) उत्तर लिखिए। **(२)**

i) न्याय प्राप्त करने के साधन

ii) विधवा की जायदाद हडपने का मूल्य

४) रिश्वत की बीमारी के बारे में टिप्पणी लिखिए। **(२)**

५) i) परिच्छेद में आई एक विरुद्धार्थी शब्द की जोड़ी लिखिए। **(१)**

ii) इन शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

i) आखेट ii) गुहार

प्र. १ ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(८)**

१) विधाने के सामने सत्य / असत्य लिखिए। **(२)**

i) मंगली के लिए सुबह उठना जरुरी था।

ii) मंगली ने भी खाना खा लिया था।

iii) मंगली के चेहरे पर खौफ के भाव थे।

iv) मंगली जल्दी सोना चाहती थी।

पति के न होने के कारण वह खाना भी न खा सकी। बच्चों के साथ चखा बस, उतना ही। अकेले खाना उसे कुछ अपराध-सा लगने लगा। सुबह जल्दी उठने की मजबूरी में वह आज जल्दी सोना चाहती थी। आज सुबह का बचा-खुचा खाकर वह भी सोने की कोशिश करने लगी। आज उसे खाना नहीं बनाना पड़ा, यह उसके लिए कम सुखद नहीं था।

उसे कब नींद लग गई, पता ही नहीं चला। वह नींद में भी कुछ बुदबुदा रही थी। उसके चेहरे पर आज सुबह के लिए खौफ नहीं, एक जिज्ञासा थी। उसे याद नहीं पड़ता कभी जिज्ञासा लेकर वह सोई हो, पर आज उसके चेहरे पर जिज्ञासा के भाव थे। आँखे जितनी गहरि मुंदी थी, दिमाग उने ही रंगीन दृश्य बटोरने लगा था.. सरसों का साग और मक्के की रोटी बड़े साहब को खूब पसंद आई। सब खुश हुए, सभी उसी की चर्चा करने लगे। होटल में यह भोजन हमेशा के लिए चल निकला... और वह स्थायी तौर पर वहाँ रसोइए की हैसियत से रख ली गई। बच्चों को खाने की किल्लत नहीं है। उसके आदमी ने बहुत मिन्नतों के बाद पीना छोड दिया है। बड़ा बेटा अब पास के नगरपालिका स्कूल में पढ़ने जाने लगा है। उसकी झोंपड़ी अब कोई नहीं उजाड़ सकता।

२) मंगली ने नींद में ये रंगीन दृश्य देखे : **(२)**

i)

ii)

iii)

iv)

३) १) गद्यांश में आए शब्द-युग्म लिखिए। **(१)**

i) ii)

२) शब्दों के बचन बदल कर लिखिए। **(१)**

i) रोटी - ———– ii) आँखें - ———————

४) 'मंगली के मनोभाव' विषय पर टिपण्णी लिखिए। **(२)**

प्र. १ ग) निम्नलिखित गद्य परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। (४)

१) उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए। **(२)**

i) नारी ———————- की देन है। (प्रकृति, समान, ईश्वर)

ii) पति की असामाजिक मृत्यु नारी के साथ हुआ ईश्वर का क्रुर ——— है। (न्याय, मजाक, विचित्र व्यापार)

अथवा

२) कारण लिखिए। (२)

i) विधवा-विवाह एक गौरव की बात है।

ii) विधवा-विवाह अभी पूरी तरह स्वीकृत नहीं हुआ है।

नारी ईश्वर की देन है और ईश्वर की बेटी है। भगवान के बाद हम स्त्री के ही देनदार हैं - जिंदगी देन के लिए और उसे जीने योग्य बनाने के लिए। वह माता के समान हमारी रक्षा करती है और गुरु के समान हमें शुभ कार्यों के लिए प्रेरित करती है। नारी का त्याग और बलिदान भारतीय संस्कृति की अमूल्य निधि है। परंतु ईश्वरीय प्रकृति एवं ईश्वर द्वारा किसी भी नारी से किया गया आकस्मिक क्रुर मजाक वह होता है, जब नारी का सर्वेसर्वा, उसका भविष्य-निर्माता उसे इस असीम दुनिया में नितांत अकेली छोड़कर अनायस काल-कवलित हो जाता है। विधवा हो जाने पर उसे जीवनपर्यंत दूसरों पर आश्रित रहना पड़ता है। संतोष की बात है कि हमारे भारत में कुछ विधवा-विवाह होने लगे है।

३) 'विधवा-विवाह समय की माँग' विषय पर टिपण्णी लिखिए। **(२)**

विभाग२ - पद्य

२०

प्र. २ च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। (८)

१) उत्तर लिखिए। (२)

देश के बालकों से माँग

i)

ii)

२) पद्यांश से संबधित दो प्रश्न तैयार कीजिए। **(२)**

३) आकृति पूर्ण कीजिए। **(२)**

i) देश की माँग

ii) पद्यांश में आया एक कँटीले पौधे का फूल

पद्यांश :

देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो,
तुम उठो सिपाहियो! शत्रु को जवाब दो,
झुम-झूमकर मलो युद्ध के गुलाल को। शूरवीर बालको!
थाम लो सभाँलकर देश की मशाल को!

४) संक्षेप में उत्तर लिखिए। **(२)**

i) 'शत्रु को जवाब देना' ————– यानी क्या?

ii) शत्रु को जवाब देने के लिए किन्हें कहा गया हैं?

प्र. २ छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(८)**

१) आकृति पूर्ण कीजिए। **(२)**

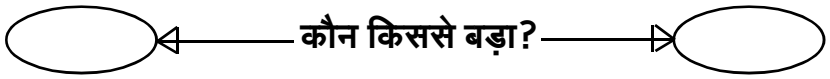

२) पद्यांश से संबंधित दो प्रश्न तैयार कीजिए। **(२)**

पद्यांश :

धन थोरो इज्जत बड़ी, कही रहीम की बात।
जैसे कुल की कुलवधू, चिथड़न माह समात।।

३) शब्दों के अर्थ लिखिए। **(१)**

i) कुल ii) माह

विलोम शब्द लिखिए। **(१)**

i) बड़ी × ii) थोरो ×

निम्नलिखित दोहे का भावार्थ लिखिए। (२)

धन थोरो इज्जत बड़ी, कही रहीम की बात।
जैसे कुल की कुलवधू, चिथड़न माह समात।।

विभाग ३ - पूरकपठन

४

प्र. ३ १) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

i) तुलसी के बारे में इनके औषधीय विश्वास सच हुए हैं ———- **(१)**

१) २)

ii) तुलसी की सुगंध की विशेषता - **(१)**

१) २)

हिंदू क्रिस्तानी या यूनानी लोगों के तुलसी वाले औषधीय विश्वास को वैज्ञानिकों ने सच सिद्ध कर दिया है। इसकी एरोमा या सुगंध सचमुच रोगाणुनाशी व संक्रमणहारी होती है। तुलसी के विभिन्न रासायनिक घटक और तत्वविभिन्न रोगों पर विविध प्रकार से प्रभाव डालते हैं। कुछ वर्षों पहले दिल्ली के एक अनुसंधान संस्थान ने इस बात को खोज निकाला कि तुलसी से जो तैलीय पदार्थ निकलता है वह टी.बी. या यक्षमा जैसे रोग का नाश कर डालता है। अभी इस क्षेत्र में अधिक अनुसंधान नही हुए हैं और इसके अनेक गुणों पर पर्दा पड़ा हुआ है, लेकिन आशा है कि वैज्ञानिक शीघ्र ही संबद्ध रहस्यों का पर्दाफाश करेंगे कि मानव उनसे उत्तरोत्तर लाभान्वित हो सके।

२) हिंदुस्तान के जनजीवन एवं जनमानस पर तुलसी के प्रभाव। **(२)**

विभाग ४ - व्याकरण

४

प्र. ४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(१०)**

१) i) शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए। - किताब **(½)**

ii) अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए। **(½)**

पुस्तक से <u>मनुष्य</u> को ज्ञान और मार्गदर्शन मिलता है।

२) वाक्य शुद्ध करके लिखिए : **(१)**

अनिल और सुनील स्कूल गया।

३) सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए। **(१)**

सेठ जीने मकान खरीद लिया।

४) प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रुप लिखिए। **(१)**

खाना ।

५) i) अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए। के उपर **(१)**

ii) अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए : राम के साथ लक्ष्मण भी बन गए। **(१)**

६) काल परिवर्तन कीजिए। **(२)**

i) वह फल खा रही है। (अपूर्ण भूतकाल)

ii) नक्शों से यह फायदा होता है। (सामान्य भविष्यकाल)

७) i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए। **(१)**
मन न लगना।

ii) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए। **(१)**
खेल के मैदान पर बच्चों की शरारते देख शिक्षक <u>बहुत क्रोधित हो गए</u>।

विभाग ५ - रचना विभाग

३०

(सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।)

प्र. ५ १) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारुप तैयार कीजिए। **(०५)**

ओंकार / अनिता आपटे, २७, लताकुंज, सदाशिव पेठ, पुणे - ४११००२ से व्यवस्थापक, नवयुवक स्पोर्टस, कोल्हापुर - ४१६००२ को क्रिकेट-संबंधी खेल-सामग्री मँगाते / मँगाती हुए / हुई पत्र लिखता / लिखती हे।

अथवा

३०अ, राजेंद्रनगर, लातूर से उमा / उमेश परमार, 'पटेल ट्रैवल्स कंपनी' के लातूर स्थित कार्यालय के व्यवस्थापक के नाम पर पत्र लिखकर 'महाबलेश्वर-प्रतापगड यात्रा' के लिए आवश्यक मार्गदर्शन करने के लिए विनंती करती / करता है।

२) रुपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए। कहानी को शीर्षक दीजिए और उससे मिलने वाली सीख भी लिखिए। **(५)**

सज्जन पिता का गुणवान पुत्र – बुरी संगति में फँसना– पिता को दुख – उपदेशों का असर नहीं – पिता बाजार से अच्छे आम खरीदना – साथ में एक सड़ा हुआ आम भी लाना – पुत्र को बुलाना – उन आमों के साथ सड़ा आम रखने के लिए कहना – दूसरे दिन आम खाने के लिए कहना – सभी आम सड़े हुए – पुत्र पर असर – सीख।

३) गद्यांश पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(५)**

स्त्रियों की शिक्षा का स्वरुप पुरुषों की शिक्षा के स्वरुप से अलग रहना चाहिए। कताई, बुनाई, सिलाई, कटाई आदि की शिक्षा तो उन्हें दी ही जाए, किंतु इसी के साथ उन्हें कुटीर उद्योगों में भी निपुण बनाया जान चाहिए, जिससे कि बुरा समय आने पर वे किसी की मोहताज न रहें। स्त्रियों को

शिक्षित करने से हमारा घर स्वर्ग बन सकता है। नासमझ और फूहड़ औरतों से परिवार-के–परिवार तबाह हो जाते हैं। जिन घरों की स्त्रियाँ सुशिक्षित और सुसंस्कृत होती हैं, वे घर जिंदा विश्वविद्यालय होते हैं। शिक्षा का अर्थ किताबी ज्ञान ही नहीं है और न ही अक्षरज्ञान है, वह तो जीने की कला है।

प्रश्न :

१) स्त्रियों को किस प्रकार की शिक्षा देनी चाहिए ?

२) हमारा घर स्वर्ग कब बन सकता है ?

३) जिंदा विश्वविद्यालय किसे कहा गया है ?

४) शिक्षा का अर्थ क्या है ?

५) उपर्युक्त गद्यखंड के लिए उचित शीर्षक सुझाइए।

प्र. ६ १) निम्नलिखित मुद्दों के आधारपर ६० से ८० शब्दों मे विज्ञापन तैयार कीजिए।

एक दंतमंजन का विज्ञापन तैयार कीजिए। **(५)**

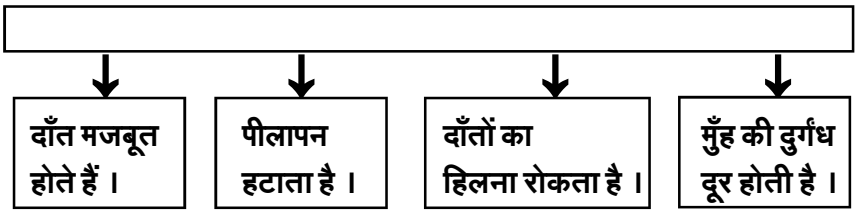

२) किसी एक विषयपर निबंध लिखिए। (लगभग ८० से १०० शब्दों में) **(१०)**

i) फटी पुस्तक की आत्मकथा

ii) समय का सदुपयोग

iii) यदि परिक्षाएँ न होती....

◆◆◆◆